अग्रेषण-पत्र

कु. स्वराज्यमणि अग्रवाल शोध छात्रा ने मेरे निर्देशन में **''वैदिक वाङ्मय में स्त्रियों की दशा-एक अध्ययन''** विषय पर शोध कार्य किया है और अपना शोध प्रबन्ध बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी; द्वारा प्राप्त पी-एच. डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत किया है।

कु. स्वराज्यमणि अग्रवाल सुशील, विनम्र छात्रा है। अध्ययनकाल में अनुशासित रहकर इन्होंने यह शोध कार्य बहुत ही लगन एवं परिश्रम से किया है। कु. स्वराज्यमणि अग्रवाल का यह परिश्रम सफलीभूत ही सिद्ध होगा।

मैं **''वैदिक वाङ्मय में स्त्रियों की दशा-एक अध्ययन''** इस शोध-प्रबन्ध को पी-एच. डी. उपाधि प्रदान करने हेतु अपनी संस्तुति के साथ अग्रसारित करती हूँ।

गणेश चतुर्थी
24-12-06

डॉ. अंजू दत्त
विभागाध्यक्षा-संस्कृत
आर्य कन्या महाविद्यालय झाँसी (उ.प्र.)